स्वच्छता जब
भीतरी और
बाहरी रहती है तब
वह ईवरमयता
को पहुंचती है।
-महात्मा गांधी-

दैनिक
लोकजीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

लोक जीवन में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-
- : जयपुर : -
0141-4038281
- : भीलवाड़ा : -
8306792625

वर्ष- 19 | अंक- 206 | जयपुर. बुधवार . | 25 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

जिला प्रमुख चुनाव आज

जयपुर (कासं)। प्रदेश के 37 जिलों में बुधवार को जिला प्रमुख के चुनाव होंगे। 37 में से 23 जगह कांग्रेस और 5 जगह भाजपा को स्पष्ट बहुमत है। नागौर में आरएलपी को बहुमत मिला है। 8 जिले ऐसे हैं, जहां किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। ऐसे में यहां जिला प्रमुख का चुनाव रोचक हो गया। कांग्रेस और भाजपा ने अभी जिला प्रमुख के उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। ऐनवक्त पर भी उम्मीदवारों का ऐलान हो सकता है।

सुबह 10 बजे जिला परिषदों में सभी जिला परिषद सदस्यों की बैठक होगी। सुबह 11 बजे तक नामांकन पेश कर सकेंगे, 11:30 बजे से नामांकन की स्क्रूटनी होगी, दोपहर 1 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसके तत्कल बाद उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। 3 से 5 बजे के बीच वोटिंग होगी और इसके तत्काल बाद वोटों की गिनती कर रिजल्ट घोषित कर दिए जाएंगे।

भाजपा को केवल 5 जिलों में स्पष्ट बहुमत

37 में से 23 जिला परिषदों में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत है, भाजपा को केवल 5 में स्पष्ट बहुमत है, 1 जगह आरएलपी बहुमत में हैं। 8 जिलों में निर्दलीय किंगमेकर की भूमिका में है। भाजपा ने दर्जन भर जिला परिषदों में अल्पमत को बहुमत में बदलने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस ने जिला प्रमुख चुनावों में भाजपा पर हॉर्स ट्रेडिंग, प्रलोभवन और पुलिस प्रशासन का दुरुपयोग करके जिला परिषद सदस्यों को खुद के खेमे में मिलाने के आरोप लगाए हैं। भरतपुर में 3 जिला परिषद सदस्यों को उठा ले जाने का आरोप लगाया है।

पंचायत चुनाव में दलबदल विरोधी कानून लागू नहीं

पंचायती राज चुनावों में दलबदल विरोधी कानून लागू नहीं होता, इसलिए इन चुनावों में कोई कितनी ही बार पार्टी बदल सकता है। पार्टी व्हिप लागू नहीं होता और दूसरी पार्टी में शामिल होने पर मेंबरशिप नहीं जाती। इस वजह से इन चुनावों में जमकर जोड़तोड़ चलती है। कई बार बहुमत नहीं होते हुए भी जिला प्रमुख बन जाते हैं और बहुमत होने के बावजूद भी रह जाते हैं।

भाजपा,कांग्रेस के बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर

जिला प्रमुख चुनावों में भाजपा, कांग्रेस के कई नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर है। चूरू में वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ की पुत्रवधू कनिका सिंह जिला प्रमुख की दावेदार हैं, चूरू के नतीजे से राठौड़ का सियासी कद प्रभावित होगा, इसे उनके सियासी कमबैक से जोड़कर देखा जा रहा है।

आरएलपी को 1 जिले में बहुमत

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को सिर्फ नागौर में ही बहुमत मिला है। यहां आरएलपी जिला प्रमुख बनाएगी। वहीं, 8 जिलों में किसी को बहुमत नहीं है। इनमें बालोतरा, बांसवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, डीग, डूंगरपुर, खैरथल-तिजारा, प्रतापगढ़ और सलूंबर हैं। यहां जोड़तोड़ से जिला प्रमुख बनेंगे, भाजपा का यहां सबसे ज्यादा फोकस है।

यूपी चुनाव: सपा-कांग्रेस में सीटों का गणित, 403 सीटों पर मंथन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रही। दोनों दलों के बीच बैठक हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सीटों के बंटवारे पर चर्चा हुई। बैठक के बाद सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि दोनों दलों के बीच बातचीत आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि 2-3 दिन में कांग्रेस की ओर से जवाब मिलने की उम्मीद है। रामगोपाल यादव ने कहा कि अभी बातचीत का दौर चल रहा है और दोनों पक्षों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा जारी रहेगी।

यादव ने कहा कि हम लोगों ने हर सीट पर डिस्कशन किया और बहुत ही सकारात्मक तरीके से बात हुई। 403 सीटें बहुत होती हैं, इसलिए अभी पूरा डिस्कशन नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि अगली दो-तीन मीटिंग में हम इसे पूरा कर लेंगे। जब हर एक सीट पर डिस्कशन होगा तो टाइम लगेगा। राम गोपाल यादव ने कहा कि वार्ता चलती रहेगी, जब तक फैसला नहीं हो जाएगा। बैठक में चर्चा हो रही है और अभी भी डिस्कशन जारी है। उन्होंने कहा कि किसी ने खुद कोई सीट नहीं मांगी है, बल्कि सभी सीटों पर डिस्कशन किया गया है। उन्होंने कहा कि अगली बैठक बहुत जल्दी होगी। दो-तीन दिन में अगली बैठक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इसमें महीना भर नहीं लगेगा और बहुत जल्दी फैसला हो जाएगा।

कांग्रेस नेता और उत्तर प्रदेश प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एआईसीसी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर हुई बैठक को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष पॉजिटिव माइंड के साथ आगे बढ़ रहे हैं और हर सीट पर विस्तार से चर्चा हुई है। गौतम ने कहा कि 403 की 403 विधानसभा सीटों पर एक-एक सीट को लेकर दोनों पक्षों ने अपना-अपना पक्ष रखा। काफी बड़ी संख्या में सीटों पर चर्चा हो चुकी है, जबकि जिन सीटों पर चर्चा बाकी है, उन पर अगली बैठक में बातचीत होगी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष पूरी तैयारी के साथ और सकारात्मक तरीके से चर्चा कर रहे हैं। हर सीट पर विस्तार से बातचीत हो रही है और दोनों दल सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि सपा-कांग्रेस के बीच समझौता होगा और अच्छा समझौता होगा।

वैभव ने रचा विश्व कीर्तिमान

सबसे तेज दोहरा शतक, एक पारी में 28 छक्के जड़ने का कारनामा



दोहा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। राइजिंग स्टार्स एशिया कप में यूएई के खिलाफ मुकाबले में वैभव ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने उन्हें क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया। उन्होंने महज 52 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा कर लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले वैभव लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बना चुके हैं। अब सबसे तेज दोहरा शतक जड़कर उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ा कीर्तिमान जोड़ लिया है। उनकी इस पारी की खास बात यह रही कि उन्होंने न सिर्फ रनों का अंबार लगाया, बल्कि छक्कों की बरसात करते हुए कई पुराने रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिए।

53 गेंदों में 204 रन बनाकर मचाया तहलका

यूएई के खिलाफ मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों को संभलने का मौका तक नहीं दिया और मैदान के चारों ओर बड़े शॉट लगाए। वैभव ने अपनी पारी में महज 53 गेंदों का सामना करते हुए 204 रन बनाए। उनकी इस विस्फोटक पारी में 28 छक्के और सात चौके शामिल रहे। यानी उन्होंने केवल छक्कों और चौकों से ही 196 रन बटोर लिए। वैभव की बल्लेबाजी के सामने यूएई के गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए।

चाड बोव्स का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का पिछला रिकॉर्ड न्यूज़ीलैंड के बल्लेबाज चाड बोव्स के नाम था। उन्होंने साल 2024 में कैंटरबरी की ओर से खेलते हुए ओटागो के खिलाफ 103 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया था। हालांकि, वैभव सूर्यवंशी ने इस रिकॉर्ड को बेहद बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया। उन्होंने महज 52 गेंदों में 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया। इस तरह उन्होंने चाड बोव्स से लगभग आधी गेंदों में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

इस सूची में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और भारत के नारायण जगदीशन का नाम भी शामिल है। दोनों बल्लेबाजों ने 114 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया था। वहीं, ट्रेविस हेड ने 2015 में 117 गेंदों में और इंग्लैंड के बेन डकेट ने 2016 में 123 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था।

ऐसे मचाया 53 गेंदों में तहलका

0 0 6 6 6 1 4 0 1 6 6 0
6 0 6 6 6 4 6 6 0 0 6 6
1 6 4 4 6 6 4 2 1 6 1 6
4 6 0 6 6 0 6 1 6 6 6 6
4 0 6 6 W

वैभव ने 52 गेंदों में दोहरा शतक पूरा कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले न्यूजीलैंड के चाड बोव्स ने 103 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वैभव ने इस रिकॉर्ड को 51 गेंदों के अंतर से पीछे छोड़ दिया। वैभव ने अपनी पारी में कुल 28 छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इससे पहले टी20 क्रिकेट में फिन एलन के नाम एक पारी में 19 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज था। वहीं, वनडे की किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के का रिकॉर्ड इयोन मोर्गन के नाम दर्ज है। यूएई के खिलाफ इस मुकाबले में भारत ए की पूरी पारी के दौरान कुल 31 छक्के लगे। इससे पहले एक पारी में सर्वाधिक 26 छक्के लगाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम था। भारतीय टीम ने इस आंकड़े को पीछे छोड़ते हुए नया रिकॉर्ड कायम किया। यूएई के खिलाफ इस मुकाबले में भारत ए की पूरी पारी के दौरान कुल 31 छक्के लगे। इससे पहले एक पारी में सर्वाधिक 26 छक्के लगाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम था।

समय की कसौटी पर खरा उतरा गठबंधन, पंजाब के लोगों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता- मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिरोमणि अकाली दल के एनडीए परिवार में लौटने पर खुशी जताई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अकाली दल की एनडीए में वापसी खास मौके पर हुई है। यह मौका श्री गुरू नानक देव जी के प्रकाश पर्व का है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी प्राथमिकता पंजाब और पंजाब के लोगों का कल्याण है। उन्होंने इस गठबंधन को स्वाभाविक बताते हुए कहा कि इससे राज्य में ऐसी सरकार सुनिश्चित होगी, जो आम लोगों के हितों को प्राथमिकता देगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अकाली दल और भाजपा के गठबंधन को स्वाभाविक गठबंधन बताया। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन पंजाब को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों दलों के बीच गठबंधन का इतिहास काफी पुराना है और यह समय की कसौटी पर खरा उतरा है। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा कि अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और सरदार प्रकाश सिंह बादल ने इस गठबंधन को आगे बढ़ाया और इसे मजबूत आधार दिया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में भाजपा और अकाली दल के पुराने रिश्तों को याद किया। उन्होंने इस गठबंधन को मजबूत बनाने में तीन प्रमुख नेताओं की भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई। लालकृष्ण आडवाणी और सरदार प्रकाश सिंह बादल ने भी इसे मजबूती देने में योगदान दिया।



प्रधानमंत्री ने कहा कि अकाली दल-भाजपा गठबंधन समय की कसौटी पर खरा उतरा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में पंजाब और वहां के लोगों के कल्याण को सबसे ऊपर रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि गठबंधन का उद्देश्य राज्य में जनहित को प्राथमिकता देने वाला शासन सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गठबंधन पंजाब को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए काम करेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में पंजाब के लोग इस गठबंधन को अपनी पहली पसंद बनाएंगे।

पंजाब में भाजपा-अकाली दल का गठबंधन, सीएम चेहरा होगा अकाली दल से

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 के लिए भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के बीच मंगलवार को गठबंधन हो चुका है। नई दिल्ली में सुखबीर सिंह बादल और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस गठबंधन का एलान किया गया। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा अकाली दल से ही होगा। प्रेस वार्ता में अमित शाह ने कहा कि पंजाब में बड़े भाई की भूमिका में अकाली दल रहेगा, जो भी बड़ा भाई होता है, मुख्यमंत्री वही बनता है। हम सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने भाजपा और अकाली दल के गठबंधन को हिंदू-सिख भाईचारे का प्रतीक बताया। शाह ने कहा कि आज एनडीए का पुराना साथी लौट आया है।



शाह ने कहा कि सीमावर्ती राज्य पंजाब में नशीले पदार्थों की समस्या से निपटना, भ्रष्टाचार को खत्म करना और कानून-व्यवस्था को दुरूस्त करना इस गठबंधन की मुख्य प्राथमिकताएं होंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता पंजाब को नशा मुक्त बनाना, सीमावर्ती राज्य में सुरक्षा के लिए कानून-व्यवस्था को दुरूस्त करना और गिरोहों (गैंग्स) का सफाया करना होगा। यह हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है और दोनों पार्टियों के घोषणापत्रों में यह सबसे प्रमुख मुद्दा होगा। शाह ने यह भी बताया कि चुनावों के लिए दोनों पार्टियां जल्द ही एक विस्तृत घोषणापत्र तैयार करेंगी, जिसमें पंजाब से नशीले पदार्थों की समस्या को खत्म करना और हिंदू-सिख एकता को बढ़ावा देना मुख्य फोकस क्षेत्रों में शामिल होगा। पंजाब में एनडीए गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं, जो बड़ा भाई होता है, वही मुख्यमंत्री बनता है। जो भी बड़ा भाई है, वही मुख्यमंत्री बनेगा। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि जहां भी एनडीए की सरकार रही है, वहां कानून-व्यवस्था हमेशा दुरूस्त रही है। हमारी दोनों पार्टियों ने पंजाब से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की है और हम उन पर सहमत हैं। हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता पंजाब को नशा-मुक्त बनाना, इस सीमावर्ती राज्य में सुरक्षा के लिए कानून-व्यवस्था को ठीक करना और गिरोहों (गैंग्स) का सफाया करना होगा।

यूपी चुनाव में भाजपा-रालोद का नया फॉर्मूला, सिंबल रालोद का और प्रत्याशी भाजपा के!

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे में भाजपा और रालोद के बीच 'प्रत्याशी हमारा, सिंबल आपका' वाला नियम लागू हो सकता है। इसमें रालोद के सिंबल पर चुनाव मैदान में भाजपा के कई नेता उतर सकते हैं। विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर भाजपा व रालोद में बातचीत शुरू हो गई है। रालोद को कितनी सीटें मिलेंगी, उनकी घोषणा दिसंबर के दूसरे सप्ताह तक होने की उम्मीद है। हालांकि अभी केवल सीटों की संख्या की घोषणा होगी और सीटों के नाम चुनाव की घोषणा के साथ ही सार्वजनिक किए जाएंगे। इस बीच रालोद अध्यक्ष व केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह का एक बयान काफी वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने कहा है कि हमारे जनाधार वाली कुछ सीटों के लिए कार्यकर्ताओं को सब्र रखना होगा। इससे यह माना जा रहा है कि सीट बंटवारे में बागपत, मुजफ्फरनगर, मथुरा, शामली समेत कई जगह रालोद के सिंबल पर भाजपा नेता चुनाव लड़ सकते हैं।

गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व, मुख्यमंत्री ने गुरु ग्रंथ साहिब जी को किया नमन, टेका मत्था

राजनीति सत्ता का नहीं, सेवा का माध्यम- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर राजापार्क में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब जी को नमन किया, मत्था टेका और प्रदेशवासियों से गुरू नानक देव जी के प्रेम, सेवा, समानता और मानवता के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंधकार और चुनौतियों के दौरान गुरु नानक देव जी ने बिना किसी भय के सत्य का बिगुल बजाया। उनकी हजारों मील की कठिन यात्राओं में दुर्गम बाधाएं आईं, लेकिन वे कभी नहीं रुके। उनका जीवन हमें सिखाता है कि चुनौतियां होने के बावजूद एक सच्चे सेवक को घबराए बिना अपने लक्ष्य और समाज के कल्याण के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी का संदेश है कि ईश्वर का स्मरण करें, ईमानदारी और परिश्रम से कमाएं और जरूरतमंदों के साथ बांटें। इस संदेश से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार प्रदेश के विकास, जनसेवा और अंतिम छोर के व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। हमारे लिए राजनीति सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने समाज को सिखाया कि ईश्वर एक है और उसकी नजर में सभी मनुष्य समान हैं। सच्चा धर्म अच्छे कर्म, ईमानदारी और मानव सेवा में ही निहित है। लंगर सेवा समानता और सेवा भावना का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने सिख गुरुओं के त्याग, समर्पण, साहस और बलिदान की महान परंपराओं का स्मरण करते हुए कहा



कि सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर जी को नमन करते हुए कहा कि धर्म और आस्था की स्वतंत्रता तथा मानव अधिकारों की रक्षा के लिए उनका बलिदान अद्वितीय है। दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन त्याग, वीरता और धर्म की रक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करतारपुर कॉरिडोर खोलने का ऐतिहासिक निर्णय कर करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया। वहीं, गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की स्मृति में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर प्रधानमंत्री ने नई पीढ़ी को उनके अदम्य साहस, त्याग और बलिदान से परिचित कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिख समुदाय के कल्याण, उत्थान और धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में जयपुर स्थित गुरुद्वारा तेग बहादुर साहिब जी तथा अनूपगढ़ स्थित बुड्ढा जोहड़ गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के विद्यार्थियों के छात्रावास हेतु भूमि का आवंटन हो चुका है तथा इसका कार्य शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा।

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संपादक - स्व. डॉ. विश्वकुमार जी किरोरी

भारत की बढ़ती वैश्विक धमक, अब तकनीकी नवाचार से तय होगा भविष्य

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी विशाल युवा आबादी को आर्थिक शक्ति में बदलने की है। देश में प्रतिभा, उद्यमशीलता और नवाचार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इन संभावनाओं को उद्योग, अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा जाए। इससे न केवल नए रोजगार पैदा होंगे, बल्कि वैश्विक बाजार में भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ेगी। आर्थिक मजबूती के लिए विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार भी महत्वपूर्ण है। भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, रक्षा उपकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत मशीनरी जैसे क्षेत्रों में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगी। अभी कई महत्वपूर्ण तकनीकों और औद्योगिक उपकरणों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता बनी हुई है। इस निर्भरता को कम करने के लिए घरेलू अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाना जरूरी है। इसके साथ ही शिक्षा और कौशल विकास की व्यवस्था को बदलते वैश्विक रोजगार बाजार के अनुरूप तैयार करना होगा। विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल से नई तकनीकों में दक्ष युवाओं को देश में ही अवसर मिल सकेंगे। छोटे उद्योगों और स्टार्टअप को पूंजी, तकनीकी सहायता तथा बाजार उपलब्ध कराना भी आर्थिक विकास को व्यापक आधार देगा। भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय भूमिका तभी स्थायी प्रभाव छोड़ सकेगी, जब उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत, निर्यात प्रतिस्पर्धी और तकनीकी आधार आत्मनिर्भर होगा। वैश्विक शक्ति बनने की राह केवल सैन्य क्षमता या कूटनीतिक प्रभाव से तय नहीं होती, बल्कि आर्थिक स्थिरता, वैज्ञानिक उपलब्धियों और आम नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी इसके महत्वपूर्ण आधार हैं। आर्थिक क्षमता जैसे-जैसे बढ़ेगी, समग्र रूप से भारत मजबूत और आत्मनिर्भर होता चला जाएगा। रूपये का लगातार कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा अर्थव्यवस्थाओं के मूल्यांकन के तरीके से भी भारत की रैंकिंग प्रभावित होती रही है। भारत को अपनी कमियों पर विशेष ध्यान देना होगा। सोमवार को ही भारतीय शेयर बाजार में जो गिरावट आई है, उससे चिंतित होना स्वाभाविक है। भारत में जिन लोगों के पास पूंजी है, उद्योग हैं, देने के लिए नौकरी है, उन्हें अपनी भूमिकाओं का तेजी से विस्तार करना चाहिए। ताजा रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद दूसरे सबसे प्रभावी नेता हैं। काश! पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध में भारतीय कूटनीति की एक प्रभावी भूमिका होती। लोवी इंस्टीट्यूट के मुताबिक, भारत द्वारा आयोजित सामरिक अभ्यास से लौटते समय अमेरिका द्वारा एक ईरानी नौसैनिक पोत को डुबोए जाने पर भारत की मंद प्रतिक्रिया पर भी दुनिया ने गौर किया है। ऐसी मंद या उदार प्रतिक्रिया पहले भी अनेक बार देखने में आई है। रिपोर्ट एक तरह से इशारा है, भारत प्रभावशाली देश है, उसे जरूरी मौकों पर मुखरता से पेश आना चाहिए। रक्षा उत्पाद में भारत आगे आया है और इसका उसे लाभ भी मिलने लगा है। बहरहाल, भारत को नए दौर की तकनीकी तरक्की पर ज्यादा ध्यान देना होगा। अपनी बढ़ती शक्ति और प्रभाव को स्थानीय स्तर पर संजोने की जरूरत है, लेकिन तथ्य यह है कि एआई-कौशल से लैस इंजीनियर विदेश या अमेरिका जाकर काम करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। ध्यान रहे, चीन तकनीकी तरक्की के दम पर ही अमेरिका से मुकाबला कर रहा है।

दुनिया में भारत के बढ़ते प्रभाव की तस्दीक करती रिपोर्ट सुखद और अनुकरणीय है। सनद रहे, ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट ने 2026 के लिए 'एशिया पावर इंडेक्स' जारी किया है। यह शक्ति सूचकांक भारत की बढ़ती ताकत का नवीनतम प्रमाण है। भारत को दुनिया का अकेला 'मेजर पावर' माना गया है और भारत से ऊपर अमेरिका व चीन को 'सुपर पावर' की श्रेणी में रखा गया है। भारत की विस्तार से चर्चा करने से पहले यह देखना रोचक होगा कि महाशक्ति के रूप में अमेरिका और चीन के बीच अंतर तेजी से घट रहा है। दोनों महाशक्तियों के बीच केवल 5.3 अंकों का अंतर रह गया है। हालांकि, चीन की बुनियाद में अमेरिकी योगदान बहुत ज्यादा है। अमेरिका ने केवल तकनीकी रूप से ही मदद नहीं की है, बल्कि एक बड़े बाजार के रूप में भी वह बीजिंग के काम आ रहा है। दशकों से अमेरिकी कंपनियां चीन को उत्पादन केंद्र बनाने में जुटी हैं। वैसे, चीन को भी श्रेय देना चाहिए। चीन ने अपने दम पर भी बहुत मेहनत से ऊंचा मकाम बनाया है। अब बात भारत की, इस विकासशील देश को तकनीकी या निवेश का लाभ चीन की तरह नहीं मिला है। यह वैश्विक हालात से लगातार प्रभावित होने के बावजूद अपने दम पर अपनी ताकत बढ़ाता आ रहा है।

कूटनीति से विकास की साझेदारी तक, भारत-नेपाल रिश्तों का नया विस्तार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके 'स्पष्ट नजरिये' की खुलकर सराहना की। साथ ही, उन्होंने भगवान राम और माता सीता के सांस्कृतिक संबंधों का भी जिक्र किया, जो वास्तव में राजनीतिक स्तर पर भरोसा बढ़ाने के साथ-साथ सांस्कृतिक कूटनीति को विस्तार देने की कोशिश थी।

बालेंद्र शाह ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच होने वाले समझौतों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे, जिससे पता चलता है कि दोनों देशों में अब यह समझ बढ़ रही है कि संबंधों को मजबूत बनाए रखने के लिए सहयोग का लाभ विकास के रूप में दोनों देशों की जनता तक पहुंचना अनिवार्य है।

नेपाली प्रधानमंत्री की यात्रा का महत्व कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं था, वह राजनीतिक सद्भावना को आर्थिक सहयोग और आपसी संपर्क बढ़ाने वाले ठोस नतीजों में बदलना चाहते थे। यही वजह रही कि पुनर्निर्माण और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के मुद्दे प्रमुखता से बातचीत में शामिल रहे। भारत ने भी हाथ बढ़ाने में कोताही नहीं बरती। नेपाल के विकास के लिए 24,000 करोड़ नेपाली रूपये (करीब 1.62 अरब डॉलर) के पैकेज की घोषणा की गई, जो इस पड़ोसी देश की अपेक्षाओं के काफी करीब है, क्योंकि बताया जाता है कि उसने अनुदान व ऋण के रूप में करीब दो अरब डॉलर की सहायता मांगी थी।

नेपाल इस रकम का इस्तेमाल जहां बाढ़ से हुए नुकसान की भरपायी और पुनर्निर्माण के लिए कर सकता है, वहीं इससे दीर्घकालिक विकास क्षमताओं को भी मजबूत किया जा सकता है। वहीं भारत के लिए यह 'पड़ोस प्रथम' की अपनी नीति को ठोस आर्थिक प्रतिबद्धताओं के जरिये आगे बढ़ाने का अवसर रहा। इससे यह संदेश भी गया है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध सिर्फ कूटनीतिक बयानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनको आर्थिक सहयोग भी दिया जा रहा है।

इस यात्रा में संपर्क सुविधाओं के विस्तार को भी महत्व मिला है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या कैंट से नेपाल के जनकपुरधाम को जोड़ने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाई गई। सीमा पार आवाजाही बढ़ाने में इसका व्यावहारिक योगदान तो रहेगा ही, सांस्कृतिक संबंध को मजबूत बनाने में भी इससे मदद मिलेगी। यह ट्रेन रामायण परंपरा के जुड़े दो महत्वपूर्ण केंद्रों को जोड़ रही है, जिससे पता चलता है कि दोनों देशों के बीच मौजूद सांस्कृतिक समानताओं को क्षेत्रीय संपर्क और मेलजोल बढ़ाने का माध्यम बनाया जा सकता है।

इसी तरह, नेपाल को कांडला और पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच देने का फैसला भी अहम है। इससे भौगोलिक रूप से जमीन से घिरे नेपाल को समुद्री व्यापार के लिए अतिरिक्त रास्ते मिल जाएंगे। हालांकि, काठमांडू ने मुंद्रा बंदरगाह के इस्तेमाल को प्राथमिकता दी थी, पर भारत की ओर से दिए गए अन्य विकल्प नेपाल के व्यापारिक मार्गों में विविधता लाने और माल ढुलाई से जुड़ी दुश्वारियों को दूर करने में मददगार हो सकते हैं।

धारचूला और दार्चुला के बीच मोटर पुल बनाने का प्रस्ताव, काठमांडू-रक्सौल रेल संपर्क परियोजना में प्रगति, बनबसा-दोधारा चांदनी एकीकृत चेक पोस्ट और झापा पेट्रोलियम टर्मिनल से जुड़ी पहल भी काफी महत्वपूर्ण है। इनसे पता चलता है कि भारत और नेपाल के आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने में संपर्क सुविधाओं का विस्तार कितना महत्व रखता है।

ऊर्जा सहयोग इस साझेदारी का संभवत: ऐसा पहलू है, जिसका लंबे समय तक प्रभाव बना रहेगा। 669 मेगावॉट की लोअर अरूण जलविद्युत परियोजना की आधारशीला रखे जाने का कदम इस बात का संकेत है कि दोनों सरकारें नेपाल की जलविद्युत क्षमता और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को एक-दूसरे का पूरक मानती हैं। भारत दीर्घकालिक व्यापार समझौते के तहत नेपाल से पहले ही 10,000 मेगावॉट बिजली खरीदने को राजी हो चुका है। हालांकि, इसके लिए जरूरी है कि नियामक व्यवस्थाओं, ट्रांसमिशन से जुड़े बुनियादी ढांचे के निर्माण और निवेश से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को उसी गति से आगे बढ़ाया जाए, जिस गति से दोनों देश ऊर्जा सहयोग को विस्तार देना चाहते हैं।

इस यात्रा के दौरान आठ सहमति-पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिनके जरिये कई उभरते क्षेत्रों में सहयोग के लिए संस्थागत ढांचा तैयार किया जाएगा। इन क्षेत्रों में दक्षिण एशिया उपग्रह नेटवर्क के तहत इसरो के माध्यम से उपग्रह संचार, सुरक्षा व फोरेंसिक क्षेत्र में सहयोग, पुलिस प्रशिक्षण, प्रशासनिक अधिकारियों की क्षमता में विकास, स्वास्थ्य सेवाएं, आयुर्वेद, टिकाऊ शहरी विकास और कृषि आदि शामिल हैं। दोनों सरकारों ने व्यापार, निवेश, ऊर्जा, डिजिटल संपर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्टार्टअप, प्रौद्योगिकी और खेल सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की बात भी की, जो संकेत है कि वे अपने पारंपरिक संबंधों को विस्तार देना चाहते हैं।

हालांकि, इस यात्रा की राजनीतिक अहमियत भी कम नहीं थी। बालेंद्र शाह नेपाल की उस नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसका उभार इसके स्थापित राजनीतिक दलों से जनता के मोहभंग के कारण हुआ है। बेशक, नेपाली प्रधानमंत्री के पहले के कुछ बयानों, और खासकर ग्रेटर नेपाल के नक्शे से जुड़े संदर्भों ने नई दिल्ली की चिंता बढ़ा दी थी, लेकिन इस यात्रा से साफ हो गया है कि काठमांडू का नया नेतृत्व भारत के साथ व्यावहारिक और बेहतर संबंध बनाए रखने के आर्थिक व रणनीतिक महत्व को समझता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके 'स्पष्ट नजरिये' की खुलकर सराहना की। साथ ही, उन्होंने भगवान राम और माता सीता के सांस्कृतिक संबंधों का भी जिक्र किया, जो वास्तव में राजनीतिक स्तर पर भरोसा बढ़ाने के साथ-साथ सांस्कृतिक कूटनीति को विस्तार देने की कोशिश थी। बालेंद्र शाह ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच होने वाले समझौतों का लाभ आम लोगों तक पहुंचे, जिससे पता चलता है कि दोनों देशों में अब यह समझ बढ़ रही है कि संबंधों को मजबूत बनाए रखने के लिए सहयोग का लाभ विकास के रूप में दोनों देशों की जनता तक पहुंचना अनिवार्य है।

भारत के लिए यह यात्रा उसकी 'पड़ोस प्रथम' नीति की एक महत्वपूर्ण परीक्षा भी थी। हालांकि, उसे यह भी समझना होगा कि नेपाल की राजनीति में संप्रभुता, रणनीतिक स्वायत्तता और भारतीय प्रभाव को लेकर धारणाएं काफी संवेदनशील हैं। लिहाजा, नेपाल के राजनीतिक फैसलों का सम्मान और आर्थिक संबंधों को विविधता देने की उसकी आकांक्षाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।

कुल मिलाकर, नेपाली प्रधानमंत्री की इस यात्रा से दोनों देशों के संबंधों को पुराने ढर्रे से आगे ले जाने का मौका मिला है। बालेंद्र शाह 25 घंटे ही रूके, पर उनका एजेंडा काफी बड़ा था। अब इस पहल की सफलता इस बात से तय होगी कि दोनों देश आपसी सहमतियों को कितने प्रभावी ढंग से जमीन पर उतार पाते हैं।

सुखद है कि दोनों देश बदलाव को तैयार दिख रहे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का भारत दौरा आपसी रिश्तों के बदलते दौर में एक प्रस्थान बिंदु माना जाएगा। क्षेत्र का रणनीतिक माहौल अब तक अस्थिर है। ऐसे में, अपने पहले द्विपक्षीय दौरे के लिए भारत का चुनाव करके बालेंद्र शाह संभवत: नई दिल्ली के साथ संबंधों में व्यावहारिक सोच, विकास के क्षेत्र में सहयोग और राजनीतिक संवाद को एक नई गति देना चाहते हैं।

सोने-चांदी की चमक पड़ी फीकी, गिरावट से खरीदार खुश तो निवेशकों की बढ़ी चिंता

विशेषज्ञों की सलाह है कि गहनों की खरीदारी जरूरत और बजट के अनुसार की जाए, जबकि निवेश के उद्देश्य से सोना खरीदने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए। चांदी में औद्योगिक मांग का भी असर रहता है, इसलिए इसकी कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण सोने से अलग हो सकते हैं। फिलहाल बाजार की दिशा कई वैश्विक संकेतों पर निर्भर है। ऐसे में खरीदारों और निवेशकों दोनों के लिए सतर्कता ही सबसे बेहतर रणनीति है।

जाहिर है, सोने-चांदी के दामों में तेज गिरावट ऊंचे भाव से परेशान मध्यवर्गीय परिवारों और शादी-ब्याह की खरीदारी की तैयारी कर रहे लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है, पर दूसरी तरफ बाजार में यह सवाल भी लगातार खड़ा हो रहा है कि आखिर यह गिरावट कहां जाकर रूकेगी? सोने-चांदी में पैसा लगाकर बैठे निवेशकों की चिंता अलग है, मगर आम ग्राहकों की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि क्या अभी गहनों की शॉपिंग कर ली जाए या फिर दाम के और गिरने का इंतजार किया जाए? प्रश्न विकट है और इसका उत्तर अत्यंत अनिश्चित। बाजार के जानकारों के अनुसार, सोने-चांदी के दामों में हालिया तेज गिरावट के पीछे कई देशी विदेशी कारक हैं। एक बड़ी वजह तो दाम में जबर्दस्त तेजी के बाद मुनाफा-वसूली है। फिर अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अमेरिकी सरकारी बॉण्ड पर ज्यादा ब्याज मिलना, वहां महंगाई का बढ़ता डर और उससे मुकाबले के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना को सोने के दाम में गिरावट का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमले ने आग में घी का काम ही किया है, क्योंकि उससे महंगाई का दबाव और बढ़ गया।

यही वजह है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दरों पर क्या रूख रहेगा, इस विषय पर बाजार के अनुमान बदल गए हैं। ज्यादा लोग यह मान रहे हैं कि ब्याज बढ़ने की संभावना ज्यादा है। अब यह तो तय है कि अगर महंगाई के दबाव के चलते ब्याज दरों को लेकर सख्ती बनी रहती है या बॉण्ड यील्ड और डॉलर मजबूत रहते हैं, तो सोने-चांदी पर दबाव आगे भी जारी रह सकते हैं। इसके उलट अगर ब्याज दरों में नरमी के संकेत मिलते हैं या दुनिया के किसी भी हिस्से में तनाव या युद्ध का जोखिम बढ़ता है, तो इनकी कीमतों में तेजी भी देखने को मिल सकती है।

भारत की दो बड़ी ब्रोकरेज की नजर में सोने और चांदी में गिरावट अब करीब-करीब तलहटी के नजदीक आ चुकी है, यानी कुछ और गिरावट के बाद इनमें फिर तेजी की संभावना बन रही है। इस अनुमान का सबसे बड़ा आधार तकनीकी विश्लेषण है। इसमें ग्राफ पर दाम का चार्ट बनाते हैं और ऐतिहासिक ट्रेंड के आधार पर भविष्य का अनुमान लगाया जाता है। इन ब्रोकरेज का गणित बता रहा है कि प्रति दस ग्राम शुद्ध सोना 1,20,000 रूपये तक गिरने के बाद संभलने के संकेत दे रहा है, वहीं एक किलो चांदी का भाव 1,50,000 रूपये तक आ गिरने के बाद चढ़ने की आशंका दिख रही है। हालांकि, इसके साथ ही इनके जानकार यह चेतावनी भी दे रहे हैं कि अभी इनमें एक-आध बड़ा झटका लगने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि इनके अनुमान के हिसाब से तेजी आने लगी, तो फिर सोना लगभग 1,36,500 से 1,45,000 रूपये प्रति दस ग्राम व चांदी 1,75,000 से 1,80,000 रूपये किलो तक जा सकती है।

अगर ऐसा न हुआ तो? यह अगर काफी बड़ी चिंता की तरफ इशारा करता है। पिछले एक साल में सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने वालों की संख्या और उनके कर्ज की मात्रा में काफी जबर्दस्त तेजी आई है। जब तक सोने का दाम बढ़ रहा था, तब तक तो कर्ज लेने वाले भी खुश थे और सोना रेहन रखकर कर्ज देने वाले भी, लेकिन अब जो गिरावट आई है, उसने दोनों की ही नींद उड़ा रखी है। गिरवी रखते समय सोने के दाम के हिसाब से कर्ज की रकम तय होती है। अब अगर कर्ज लेने के बाद दाम गिरने लगें, तब कर्ज देने वाले कहते हैं कि या तो कुछ रकम चुकाकर कर्ज कम करो या फिर कुछ और सोने गिरवी रखो, ताकि कर्ज की गारंटी रहे। थोड़ा-बहुत हो, तो शायद चल जाए, पर इस साल जुलाई से सितंबर के बीच जितना गोल्ड लोन लिया गया, वह पिछले साल की इसी अवधि से दोगुने से भी ज्यादा है। सोने की कीमतों में गिरावट का असर केवल सर्राफा बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उन परिवारों से भी है, जिन्होंने अपनी बचत का बड़ा हिस्सा सोने के रूप में सुरक्षित रखा है। भारतीय समाज में सोना केवल आभूषण या निवेश का साधन नहीं, बल्कि मुश्किल वक्त का आर्थिक सहारा भी माना जाता है। यही कारण है कि कीमतों में तेजी के समय लोग इसे संपत्ति बढ़ाने का माध्यम समझते हैं और गिरावट आने पर अपनी जमा पूंजी के मूल्य को लेकर चिंतित हो जाते हैं।

गोल्ड लोन के मामले में यह स्थिति और गंभीर हो सकती है। सोने के भाव गिरने से गिरवी रखे गए आभूषणों के बदले मिलने वाली सुरक्षा का मूल्य घट जाता है। ऐसे में कर्ज देने वाली संस्थाएं जोखिम कम करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा या आंशिक भुगतान की मांग कर सकती हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया संबंधित ऋण की शर्तों और संस्थान की नीतियों पर निर्भर करती है। जिन लोगों ने अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी रकम का कर्ज लिया है, उनके लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

दूसरी ओर, कीमतों में गिरावट से उन लोगों को राहत मिल सकती है, जो लंबे समय से गहने खरीदने की योजना बना रहे हैं। खासकर शादी-विवाह के मौसम में सोने की मांग बढ़ जाती है। ऐसे परिवारों के सामने अब यह सवाल है कि मौजूदा भाव पर खरीदारी करना समझदारी होगी या कुछ समय और इंतजार करना चाहिए। बाजार के जानकारों का मानना है कि केवल कम कीमत देखकर जल्दबाजी में खरीदारी का फैसला नहीं करना चाहिए।

सोने-चांदी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार, डॉलर की चाल, ब्याज दरों, केंद्रीय बैंकों की खरीद और वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित होती हैं। इसलिए इनके भावों का सटीक अनुमान लगाना आसान नहीं है। निवेशकों के लिए भी यह जरूरी है कि वे बाजार की हर छोटी-बड़ी गिरावट को खरीदारी का अवसर न मानें। बिना जोखिम समझे एकमुश्त बड़ी रकम लगाना नुकसानदेह साबित हो सकता है।

विशेषज्ञों की सलाह है कि गहनों की खरीदारी जरूरत और बजट के अनुसार की जाए, जबकि निवेश के उद्देश्य से सोना खरीदने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए। चांदी में औद्योगिक मांग का भी असर रहता है, इसलिए इसकी कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण सोने से अलग हो सकते हैं। फिलहाल बाजार की दिशा कई वैश्विक संकेतों पर निर्भर है। ऐसे में खरीदारों और निवेशकों दोनों के लिए सतर्कता ही सबसे बेहतर रणनीति है।

पुष्कर मेले का हुआ भव्य समापन

आत्मा, मन एवं शरीर को पवित्र करने का स्थल है पुष्कर मेला - देवनानी

अजमेर। अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला-2026 का समापन मंगलवार को पूरी भव्यता के साथ हुआ। इसके समापन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। पुलिस महानिरीक्षक डॉ. रवि एवं जिला कलक्टर लोक बन्धु ने भी विजेताओं का उत्साहवर्धन किया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पुष्कर मेला आत्मा, मन एवं शरीर को पवित्र करने का स्थल है। यह मेला सांस्कृतिक विरासत है। परम्पराओं और संस्कारों को इस मेले ने संजोए रखा है। इस मेले में पूरे विश्व से श्रृद्धालु आते है। यह मेला सामाजिक समरसता एवं आध्यात्मिकता का प्रतीक है। पुष्कर सरोवर सहित समस्त तीर्थ क्षेत्र की महिमा अपरम्पार है। विदेशी मन की शान्ति के लिए यहा आते है। उन्होंने कहा कि अजमेर एण्ट्री प्लाजा में पुष्कर की महिमा बताई गई है। यहां स्वामी दयानन्द, वरूण सागर, एवं अजयपाल जी को भी स्थान दिया गया है। ब्रह्म कॉरीडोर की परियोजना का काम आरम्भ हो गया है। इससे पुष्कर नए रूप में दिखाई देगा। पुष्कर के विकास में राजस्थान एवं भारत का विकास निहित है। पुष्कर सनातन संस्कृति की श्रेष्ठता का प्रतीक है।

केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक पहचान है। भारत विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति है। सनातन काल से भरने वाला पुष्कर मेला इसका प्रमाण है। मेले इस संस्कृति को अक्षुण रखने में मेले महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। मेलों से राष्ट्रीयता, अपनत्व एवं भ्रातत्व में वृद्धि होती है। मेले संस्कृति के अविरल प्रवाह को बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि पुष्कर के इस धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटक महोत्सव के दौरान सुंदर आयोजन किए गए। इन आयोजनों में कई प्रतियोगिताएं भी हुई। इन प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को निरन्तर आगे बढ़ने के प्रेरणा लेनी चाहिए। साथ ही उप विजेताओं को अगली प्रतियोगिता में विजेता बनने के लिए अभी से तैयारी आरम्भ कर देनी चाहिए। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि तीर्थराज पुष्कर का पूरे विश्व में विशिष्ट महत्व है। जगतपिता ब्रह्मा की नगरी पुष्कर करोड़ों लोगों की आस्था का केन्द्र है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशन में सरकार पुष्कर के विकास के लिए पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही है। पुष्कर विकास की बड़ी रूपरेखा तैयार कर कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पर्यटन और धार्मिक दृष्टि से हर साल मेले को पूर्ण भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए है। देश के प्रत्येक व्यक्ति की भावना पुष्कर से जुड़ी हुई है। मेले और पुष्कर विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। पुष्कर मेले को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति है। इस बार मेला पूरी तरह सफल रहा है। जगतपिता ब्रह्मा की नगरी तीर्थराज पुष्कर का भव्य विकास किया जाएगा। उन्होंने मेले के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी।



मेला समापन की घोषणा मेला मजिस्ट्रेट गुरू प्रसाद तंवर ने की। समारोह में 150 से अधिक छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। ऊंट परेड एवं कला जत्था यात्रा का आयोजन भी किया गया। कला जत्था यात्रा में बीकानेर के रोबिले अनिल बोडा, जयपुर के प्रभु लाल मीणा का आदिवासी नृत्य, श्रवण कुमार संखवास नागौर का मशक वादन, राजेश भट अजमेर का कच्छी घोड़ी, राम प्रसाद टोंक निवाई का राजस्थानी नृत्य, राजेश नाथ कालबेलिया पुष्कर एवं नरेंद्र सोलंकी पुष्कर का शंख वादन आकर्षण का केन्द्र रहा। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. नवीन परिहार ने अपने प्रतिवेदन में कहा कि यह मेला पूर्ण रूप से शुरू से ही नवाचारों से भरा रहा है। ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से दूरस्थ बैठे पशुपालकों को पशु आवास व्यवस्था के लिए नि:शुल्क प्लॉट उपलब्ध कराए गए। चौबीसों घंटे नए मेला मैदान में हेल्पडेस्क का संचालन किया गया। मेला सलाहकार समिति की बैठक दो माह पूर्व से ही आयोजित कर पशुओं एवं पशुपालकों के लिए बिजली, पानी की व्यवस्थाएं समय पर नये मेला मैदान पर पूर्ण किए। अश्व वंश की प्रतियोगिता नये मेला मैदान में आयोजित हुई तथा नये मेला मैदान में ऊंटों के लिए अलग से साफ जगह आरक्षित की गई।

समारोह में अश्व एवं उष्ट प्रदर्शन भी किया गया। इसमें राजस्थान पुलिस एकेडमी एवं जिला पुलिस ने स्टैडिंग सैल्यूट, इन्ड्ज्युवल टेन्ट पैगिंग एवं म्यूजिकल राइड किए। संयुक्त निदेशक डॉ. नवीन परिहार ने अश्व के साथ योग किए। नए मेला मैदान एवं पशु प्रदर्शनी स्थल में आयोजित विभिन्न पशु प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ मेला पशु एवं सर्वश्रेष्ठ गिर नस्ल पशु के विजेता पशुपालक मानमल सुगनचंद जोशी अजमेर को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ दुधारू पशु के विजेता मानमल सुगनचंद जोशी अजमेर को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इनकी संकर होल्स्टीन गाय ने 50 किलो 26 ग्राम दूध 24 घंटे तथा 75 किलो 50 ग्राम दूध 36 घंटे में देकर रिकार्ड स्थापित किया है। दुग्ध प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ गिर दुग्ध गाय में मानमल सुगनचंद जोशी की गाय ने 28 किलो 743 ग्राम दूध 24 घंटे तथा 43 किलो 115 ग्राम दूध 36 घंटे में देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। एचएफ संकर हॉलिस्टिन गाय की दुग्ध प्रतियोगिता में मानमल सुगनचंद जोशी की गाय ने 50 किलो 26 ग्राम दूध 24 घंटे तथा 75 किलो 50 ग्राम दूध 36 घंटे, जर्सी गाय की दुग्ध प्रतियोगिता में गोपाल सुखदेव गुर्जर की गाय ने 33 किलो 563 ग्राम दूध 24 घंटे तथा 50 किलो 345 ग्राम दूध 36 घंटे में देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

गौवंश प्रदर्शनी प्रतियोगिताओं में सुनील रामलाल गुर्जर ने संकर एचएफ ओसर प्रतियोगिता में, लोकेश विशन अहीर ने संकर एचएफ शुष्क प्रतियोगिता में, मानमल पुत्र सुगनचंद जोशी ने संकर एचएफ दुधारू, संकर जर्सी अदन्त मादा बछडी, संकर जर्सी ओसर व संकर जर्सी दुधारू प्रतियोगिता में, कालूराम मेवाराम गुर्जर ने गिर अदंत मादा बछड़ी, कुश माधव गुर्जर ने गिर ओसर प्रतियोगिता में, धनराज देवकरण जाट ने गिर शुष्क प्रतियोगिता में, मानमल सुगनचंद जोशी ने गिर दुधारू प्रतियोगिता में, रामदयाल हरकरण जाट ने गिर अदंत नर बछड़ा एवं गिर सांड प्रतियोगिता में तथा किशोर सोलंकी ने नागौरी बैल वंश प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार राजेश सिसोदिया ने मुर्रा नस्ल (नर) प्रतियोगिता में, रमेश बावरिया ने मादा भैंस वंश प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ऊंट वंश प्रतियोगिताओं में मोहन सिंह पांचू सिंह देवनगर ने ऊंट मादा प्रतियोगिता में, अशोक भोपाल पुष्कर ने ऊंट नर प्रतियोगिता में, मोहन सिंह पांचू देवनगर ने ऊंट नर सवारी प्रतियोगिता में तथा जगमाल कालूराम केरिया की ढ़ाणी रूपनगढ़ ने ऊंटनी दुग्ध दोहन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बकरी वंश प्रतियोगिताओं में सुनील चावला नागौर ने सिरोही नस्ल नर दो दांत प्रतियोगिता में, पेमाराम परबतसर ने सिरोही नस्ल मादा दो दांत प्रतियोगिता में, सूरजमल सामरिया परबतसर ने सिरोही नस्ल नर चार से छह दांत एवं सिरोही नस्ल मादा चार से छह दांत प्रतियोगिता में, पप्पू राम गांव रिया ने सोजत नस्ल नर चार से छह दांत प्रतियोगिता में, सूरजमल सामरिया परबतसर ने सर्वश्रेष्ठ बकरी सिरोही नस्ल एवं सूरजमल सामरिया बवाड ने सर्वश्रेष्ठ बकरा सिरोही नस्ल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हर्ष वर्धन अगरवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. अभिषेक गोयल एवं प्रवीण कुमार, पुष्कर नगर परिषद सभापति राजेन्द्र बाकोलिया, उप सभापति श्रीमती लक्ष्मी पाराशर, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता गेना सहित गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

चॉकलेट में 'वायरस', पेट की बीमारी फैलने का खतरा



बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को चॉकलेट खाना बहुत पसंद हैं। आजकल लोग खुशी के मौके पर भी मिठाई से ज्यादा चॉकलेट का सेवन करते हैं लेकिन यह सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। हाल में ही चॉकलेट निर्माता कंपनी मार्स ने चॉकलेट में पेट की बीमारी फैलाने वाला बैक्टीरिया साल्मोनेला की मौजूदगी का संदेह जाहिर किया है जिसके चलते बाजार से सभी चॉकलेट वापिस मंगवा ली गई है।

कंपनी का कहना है कि आयरलैंड के बाजार में मौजूद कंपनी की चॉकलेट को खाने से बचा जाए। यह सारे चॉकलेट कंपनी की स्लाओ स्थित फैक्ट्री में बने है। वहीं, कंपनी का कहना है कि वह फूड सेफ्टी ऑथरिटी के साथ संपर्क में हैं और कंपनी ने रिटेलर्स को अपनी दुकान से स्टॉक हटाने के लिए कहा है। दरअसल, कंपनी करीबन 3 हजार चॉकलेट पहले से ही ग्राहकों को बेच चुकी है। जो लोग चॉकलेट खरीद चुके हैं वह कंपनी के कस्टमर केयर नंबर पर सम्पर्क करके चॉकलेट वापिस कर सकते हैं। यहीं नहीं अपने पैसे भी वापिस ले सकते हैं।

किन उत्पादों में खराबी

गैलेक्सी मिल्क 200 ग्राम
मिंस्ट्रेल 118 ग्राम
माल्टेसर्स टीजर 35 ग्राम
गैलक्सी मिल्क 4342 ग्राम
मल्टीपैक्स एंड ग्लैक्सी काउंटरस 78 ग्राम और 112 ग्राम
इन सारी चॉकलेट्स की एक्सपाइरी डेट 6 और 13 मई 2018 है।

जांघों की चर्बी को करना है कम तो पीएं ये 5 असरदार ड्रिंक्स



जांघ शरीर का एक ऐसा हिस्सा है जहां फैट जल्दी जमा होता है। महिलाओं में पेट और जांघों के आस-पास वसा जमा होना शुरु हो जाती है। इसे खत्म करना एक चुनौती का काम है। आपके लिए अपने पसंद के कपड़े पहनना भी मुश्किल हो जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू ड्रिंक्स बताएंगे जो कि इस फैट को कम करने में सहायक होंगें।

1. खीरे का रस

जो लोग डाइटिंग पर हैं उन्हें खीरे का प्रयोग जरुर करना चाहिए। इसके रस में कैलोरी कम होती है और फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसका रस पीने से जांघों की फैट कम होती है। इसका इस्तेमाल नियमित रुप से अपने खाने में भी करना चाहिए।

2. हल्दी का पानी

हल्दी को पानी में मिलाकर रोजाना इसका सेवन करें। इससे जांघों में जमा चर्बी जल्दी कम होने लगेगी।

3. पुदीने की चाय

रोज पुदीने की चाय का सेवन करें। इसमें टी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो फैट को कम करने में मददगार होते हैं।

4.लौकी का रस

इसका रस भी फैट को कम करने में मददगार होता है। इसमें फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसके अलावा रोजाना एक्सरसाइज करें और मसालेदार चीजों से परहेज करें।

जमीन पर सोने के फायदे ही फायदे

गर्मी के मौसम में ज्यादातर लोग अपने घरों की छतों पर या नीचे बिस्तरा बिछा कर सोते हैं। इससे एक तो गर्मी कम लगती है दूसरा इससे कई तरह की बीमारियां भी दूर होती है। जमीन पर हल्के और पतले गद्दे बिछा कर सोने से शरीर को कई तरह के फायदे होते हैं जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। आइए जानिए जमीन पर सोने के लाभ

शारीरिक बनावट

जमीन पर सोने से शरीर की बनावट खराब नहीं होती। इससे मांसपेशियों पर दबाव नहीं पड़ता और हड्डियां भी सही पोजीशन में रहती हैं।

हड्डियां की संरचना

कई बार किसी दुर्घटना की वजह से हड्डी में फ्रैक्चर हो जाता है जिसे ठीक करने के लिए जमीन पर सोना फायदेमंद होता है। जमीन पर सोने से टेढ़ी-मेढ़ी हड्डियां अपनी जगह पर आ जाती हैं लेकिन यह प्रक्रिया काफी धीमी है पर इससे चोट एक दम ठीक हो जाती है।

पीठ का दर्द

जिन लोगों को पीठ में अक्सर दर्द रहता है उनके लिए जमीन पर सोने से फायदा होता है। अक्सर मुलायम और नर्म गद्दों पर सोने की वजह से यह समस्या हो जाती है।

ठंडे पानी से नहाने के फायदे



ठंडा पानी सेहत के लिए बेहद लाभदायक होता है। यह प्यास बुझाने के अलावा शरीर को आवश्यक मिनरल भी देता है। गर्मी के मौसम में कोल्ड शॉवर का नाम सुनते ही सबके चेहरे पर सुकून आ जाता है। इस भागदौड़ भरी जिदंगी के कारण लोग अपनी सेहत पर पूरी तरह से ध्यान नहीं दे पाते जिस वजह से उन्हें कई तरह की छोटी-मोटी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में इन परेशानियों से बचने के लिए लोग कई तरह की दवाओं का इस्तेमाल करते हैं और पैसे खर्च करते हैं लेकिन फिर भी इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। आज हम बताएंगे कि ठंडे पानी से नहाने के और भी कई फायदे होते हैं।

डिप्रेशन

ठंडे पानी में नहाने से डिप्रेशन से राहत मिलती है। व्यायम करने के बाद अगर आप ठंडे पानी के साथ नहाएंगे तो पूरा दिन तरोताजा रहेंगे।

विषैले पदार्थ बाहर निकालें

ठंडे पानी से नहाने से शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इससे शरीर को इंफेक्शन का खतरा कम हो जाता है और शरीर के दूसरे अंगों को इन विषैले तत?वों से लड़ने में ज्यादा मेहनत करने की जरुरत नहीं पड़ती।

इम्यूनिटी बढ़ाए

कोल्ड शॉवर इम्यूनिटी सिस्टम को काफी बेहतर बनाता है। यह शरीर में मेटाबॉलिज्म लेवल बढ़ता है जिस कारण कारण इम्यूनिटी सिस्टम एक्टिव हो जाता है। ठंडे पानी के साथ नहाने से आलस नहीं पड़ता और आप अपना काम तेज़ी से कर सकते हैं

अधिक ऑक्सीजन के लिए

जब भी आप ठंडे पानी के साथ नहाते हैं तो सांस तेज चलने लगती है और धड़कन भी तेज हो जाती है। यही कारण है कि शरीर में रक्त संचार तेजी से काम करता हैं। इससे कई बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

सिर्फ सिगरेट ही नहीं कुछ आहारों से भी हो सकता है कैंसर

लोग ऐसा मानते हैं कि सिर्फ सिगरेट पीने से ही कैंसर हो सकता है, मगर ऐसा नहीं है। सिगरेट कैंसर का एक बड़ा कारण है मगर किसी व्यक्ति को अन्य चीजों के कारण भी कैंसर हो सकता है। कैंसर एक जानलेवा रोग है, जिसका इलाज तो संभव है मगर ये इलाज बहुत मंहगा और बहुत मुश्किल होता है। यही कारण है कि हर साल लाखों लोग कैंसर के कारण अपनी जान गंवाते हैं। कैंसर कई प्रकार का होता है। कुछ प्रकार के कैंसर तेजी से कोशिका वृद्धि का कारण बनते हैं, जबकि कुछ धीरे-धीरे परिवर्तित होते हैं। सिर्फ यही नहीं कैंसर एक ट्यूमर के तौर पर भी विकसित होता है। अनुमानतम भारत में दिन प्रतिदिन कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। जिसमें गले का कैंसर, लंग्स कैंसर, मुंह का कैंसर, आंतों का कैंसर और फेफड़े का कैंसर शामिल है। अगर कैंसर के कारणों की बात करें तो इसके पीछे ज्तादातर आपका खानापान और जीवनशैली जिम्मेदार है। अगर व्यक्ति अपनी जीवनशैली को सही रखे तो काफी हद तक कैंसर से बचा जा सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे आहार के बारे में बता रहे हैं जो कैंसर के कारक होते हैं। अगर आप इनका सेवन अधिक मात्रा में करते हैं तो इनसे सतर्क रहने की जरूरत है।

चीनी के ज्यादा सेवन करना नुकसानदेह होता है, और इसके ज्यादा सेवन से डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है, और वजन में भी लगातार बढ़ोतरी होने लगती है। यह बात तो हम सभी जानते है। लेकिन क्या आज जानते हैं कि चीनी की जगह इस्तेमाल किये जाने वाले आर्टिफिशियल स्वीटनर एक तरह का केमिकल है। आर्टिफिशियल स्वीटनर का स्वाद चीनी की तरह ही होता है, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि यह किसी मीठे जहर से कम नहीं है। ओहियो यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर और चेयरमैन डॉक्टर राल्फ वॉटसन के अनुसार, आर्टिफिशियल स्वीटनर से सिरदर्द, याददाश्त की कमी, अचानक चक्कर आकर गिर पड़ना और कैंसर जैसी बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। इसके सेवन से मस्तिष्क ट्यूमर की संभावना बनी रहती है।

एल्कोहल के अधिक सेवन से डायबिटीज, मोटापा और कैंसर जैसी घातक बीमारियों का खतरा बना रहता है। जो लोग शराब पीते हैं और दो वंशानुगत कैंसर जीन उनमें हैं तो शराब से पैदा होने वाले एक उपात्पाद के कारण उनमें कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। आजकल महिलाएं भी इसका आनंद लेने में पीछे नहीं रह गयी है। लेकिन एक ताजा स्टडी के अनुसार एल्कोहल पीने वाली महिलाओं में स्तन कैंसर की दर में 30 प्रतिशत की वृद्दि हुई है।

हालांकि वाइट मीट की तुलना में रेड मीट को देखते ही हम ललचाने लगते हैं। और कम मात्रा में सेवन से यह कुछ तरह के कैंसर के खिलाफ लड़ने में मदद करता है। लेकिन विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, रेड मीट के सेवन से कैंसर से होने वाली मृत्यु का खतरा लगभग 10 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। रेड मीट में वैसे तो लिनोलिक एसिड का गुण होता है। लेकिन इसे हर रोज खाना बहुत खतरनाक होता है और इसके लगातार सेवन से कैंसर का जोखिम बढ जाता है। यह स्तन, बड़ी आंत एवं प्रॉस्टेट कैंसर के खतरे को बढ़ाने में भी सहायता करता है। यह सलाह दी जाती है कि सप्ताह में 300 ग्राम से अधिक रेड मीट का सेवन नहीं करना चाहिए। सफेद आटा आपकी सेहत के लिए अच्छा नहीं होता, क्योंकि वह प्रोसेस्ड होने के कारण सफेद होता है और इसमें सैचुरेटेड फैट की बहुत अधिक मात्रा में होती है। सैचुरेटेड फैट का संबंध कैंसर से होता है। इसमें अधिक केमिकल और क्लोरीन गैस होती है।

सिर्फ 1 महीने में पाएं सफेद दाग से छुटकारा

सफेद दाग एक ऐसी समस्या है जो किसी भी व्यक्ति को हो सकती है। यह शरीर के किसी भी हिस्से पर हो जाते हैं। इसका समय पर इलाज करना बहुत जरूरी है, नहीं तो यह समस्या बढ़ जाती है। कई लोग इस बीमारी से ग्रस्त रोगी के साथ उठना-बैठना भी पसंद नहीं करते लेकिन यह कोई छूत की बीमारी नहीं है और न ही छूने से फैलती है। सफेद दाग को दूर करने के लिए कई तरह की दवाएं उपलब्ध हैं लेकिन इनसे काफी धीरे फर्क पड़ता है। ऐसे में लाल मिट्टी का इस्तेमाल करके 1 महीने में ही इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।



सामग्री

1 चम्मच अदरक का रस
2 चम्मच लाल मिट्टी

लाल मिट्टी में अदरक का रस मिलाकर पेस्ट तैयार करें और इसे प्रभावित जगह पर लगाएं। अब 2 मिनट तक हल्के हाथों से मसाज करें और फिर सूखने के बाद पानी से धो लें। रोजाना ऐसा करने से सफेद दाग जल्दी ठीक होने लगेंगे। लाल मिट्टी में कॉपर की अधिक मात्रा होती है जो त्वचा में मेलेनिन के निर्माण को बढ़ाती है और अदरक से ब्लड सकुलशन बढ़ता ह ाजिसस सफद दाग वाली जगह में ब्लड सही तरीके से पहुंचता है। इन दोनों का मिश्रण लगाने से 15 दिन के अंदर सफेद दाग में फर्क देखने

सावधानियां

इस उपाय को शुरू करने से पहले रोगी को अधिक मिर्च मसाला, तला हुआ, मांस-मछली और शराब के सेवन से परहेज रखना चाहिए। यहां तक की खाने में नमक का इस्तेमाल भी न के बराबर ही रखें। इस उपाय को करने से होमोपैथी दवाओं का असर भी दोगुनी तेजी से होने लगेगा।





अधिक समय तक रोकते हैं यूरिन तो हो जाएं सावधान

गर्मियों में ज्यादा पानी पीने की वजह से यूरिन भी अधिक मात्रा में आता है। ऑफिस में काम-काज करते समय कई लोग इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे घंटों तक यूरिन को रोक कर रखने लगते हैं। शुरूआत में तो ऐसा करने से कोई परेशानी नहीं होती लेकिन जब रोजाना 2-3 घंटों से अधिक पेशाब को रोका जाए तो इससे गंभीर समस्या हो सकती है। आइए जानिए इससे होने वाले नुकसान के बारे में

गुर्दे में पत्थरी

यूरिन में यूरिया और अमिनो एसिड जैसे विषैले पदार्थ होते हैं जो शरीर से बाहर निकलने बहुत जरूरी होते हैं लेकिन जब अधिक देर तक पेशाब को रोक कर रखते हैं तो ये विषैले पदार्थ किडनी में पहुंच कर पत्थरी की समस्या पैदा कर देते हैं।



ब्लैडर में सूजन

वजह से ब्लैडर में सूजन आ जाती है तो ऐसे में हर बार पेशाब करते समय तेज दर्द होने लगता है।

लंबे समय तक यूरिन रोकने से ब्लैडर में बैक्टीरिया इकट्ठे हो जाते हैं जिससे इंफैक्शन की समस्या हो जाती है।

किडनी डैमेज

ज्यादा देर तक यूरिन रोकने की वजह से किडनी पर दबाव पड़ता है जिससे किडनी खराब होने का खतरा रहता है।

पेट के बल सोने से हो सकती है ये परेशानियां

स्वास्थ्य रहने के लिए भरपूर नींद लेना बहुत जरूरी हैं। अगर नींद पूरी न हो तो सारा दिन थकावट और सुस्ती महसूस होती है। इसके अलावा अच्छी नींद के साथ सही स्थिति में सोना भी बहुत जरूरी है। गलत पोश्चर में 7-8 घंटे सोने से सेहत पर भी असर पड़ता है। इसलिए सही पोश्चर में सोना बहुत जरूरी है। अधिकतर लोग पेट के बल सोते हैं। जिससे रीढ़ की हड्डी की और कमर को नुकसान होता है।



1. कमरदर्द

पेट के बल सोने से लोगों को कमरदर्द की शिकायत होती है। अगर किसी को कमर के निचले हिस्से में और पेट में लगातार दर्द रहता है तो उनको पेट के बल कभी नहीं सोना चाहिए।

2. रीढ़ की हड्डी

पेट के बल सोने से रीढ़ की हड्डी का आकार बदलने लगता है। जो सामान्य से थोड़ा बढ़ जाता है। इसके कारण कमर के आसपास के लिगामेंट्स पर भी खिंचाव होता है।

ऐसे में क्या करें

1. अगर आपको केवल पेट के बल ही नींद आती है तो सोते समय अपने पेट के नीचे एक पतली तकिया रखें। इससे पेट में खिंचाव होगा और दर्द की समस्या नहीं होगी।
2. कमरदर्द से बचने के लिए अपने घुटने के नीचे तौलिये को मोड़कर रखें। इससे पैर के साथ कमर की मांसपेशियों में भी खिंचाव होगा।
3. सोते समय पोश्चर बदलकर सोएं।
4. इसके अलावा अपने पैर और सीने के बीच में एक तकिये को रखकर सोएं। इससे दर्द नहीं होगा।

आई फ्लयू होने पर तुरंत करें ये घरेलू उपाय

गर्मी के मौसम में लोगों को कई तरह की परेशानियां लगी रहती हैं। इसी में एक सबसे बड़ी समस्या है आंखों में इंफैक्शन की, जिसे कंजंक्टीवाइटिस भी कहते हैं। इस समस्या में आंखों में जलन, खुजली और लालिमा आ जाती है। आंखों की इस इंफैक्शन का अगर सही समय पर इलाज न किया जाए तो यह बहुत जल्दी दूसरे लोगों तक फैल जाती है। इसके लिए बाजार में कई तरह के आई ड्राप मिलते हैं लेकिन कुछ घरेलू उपाए करके इससे शुरूआत में ही छुटकारा पाया जा सकता है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ नुस्खों के बारे में



नमक का पानी

नमक के पानी से आंखों को साफ करने से गदंगी बाहर निकल जाती है। इसके लिए 1 कप साफ पानी में 1 चम्मच नमक डालें और इस पानी को उबालें। उबलने के बाद इस मिश्रण को ठंडा होने के लिए रख दें। जब अच्छी तरह ठंडा हो जाए तो इसे आई ड्राप की तरह आंखों में डालें। दिन में 4-5 बार इसके इस्तेमाल से इफैक्शन ठीक हो जाएगी।

दूध और शहद

इसके लिए बराबर मात्रा में हल्के गर्म दूध में शहद मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स करें। इसे ठंडा होने के लिए कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें और फिर ड्रापर की मदद से इस मिश्रण की 2-3 बूंदे आंखों में डालें।

मुख्य सचिव ने की राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 की प्रगति की समीक्षा

शिकायतों के बेहतर श्रेणीकरण एवं कार्मिकों के प्रशिक्षण से हेल्पलाइन की सेवाओं को और प्रभावी बनाने के निर्देश



जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन एवं जनकेंद्रित प्रशासन को सुदृढ़ बनाते हुए आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 की कार्यप्रणाली एवं प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि दर बढ़ाने तथा हेल्पलाइन की सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन पर सितम्बर माह में दर्ज 4 लाख 16 हजार 608 शिकायतों में से 4 लाख 13 हजार 637 तथा अक्टूबर माह में दर्ज 3 लाख 66 हजार 44 शिकायतों में से 3 लाख 44 हजार 567 शिकायतों का निस्तारण किया गया। दोनों माह में शिकायतों के निस्तारण की औसत अवधि 10 दिन रही। सितम्बर माह में शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि दर 69.93 प्रतिशत तथा अक्टूबर माह में 67.54 प्रतिशत रही, जबकि समग्र संतुष्टि दर 65.69 प्रतिशत रही। केंद्र सरकार के जनशिकायत पोर्टल (सीपीग्राम) के माध्यम से सितम्बर माह में प्राप्त 5 हजार 310 प्रकरणों में से 5 हजार 157 तथा अक्टूबर माह में प्राप्त 4 हजार 568 प्रकरणों में से 3 हजार 910 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। गत छह माह (मई से अक्टूबर) के दौरान शिकायत निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन विभागों की प्रगति से भी अवगत कराया गया। इनमें जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने 82.59 प्रतिशत, महिला एवं बाल विकास विभाग के समेकित बाल विकास सेवा निदेशालय ने 78.55 प्रतिशत तथा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने 75.83 प्रतिशत संतुष्टि दर दर्ज की। इन विभागों में शिकायतों के निस्तारण की औसत अवधि क्रमशः 7, 13 एवं 11 दिन रही। मुख्य सचिव ने पंचायती राज, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), माध्यमिक शिक्षा, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों की श्रेणीवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को शिकायतों के वर्तमान श्रेणीकरण की समीक्षा कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन की शिकायतें सही विभाग तक पहुंचें और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके।

कार्मिकों के प्रशिक्षण से सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने पर बल

मुख्य सचिव ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 के कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान शिकायतों के पंजीकरण की प्रक्रिया को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कार्मिकों को शिकायत दर्ज करते समय संबंधित विभाग एवं विषय की सही श्रेणी के चयन पर विशेष ध्यान देने तथा श्रेणीकरण में आवश्यक बदलाव एवं सुधार के संबंध में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए। इससे शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया अधिक सुगम एवं प्रभावी बन सकेगी तथा आमजन को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के निर्देश

जयपुर (कासं)। राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम, 1994 तथा राजस्थान पंचायतीराज (निर्वाचन) नियम, 1994 के 59, 61 एवं 62 में विनिर्दीष्ट प्रावधानों के अनुरूप तथा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा जारी निर्देशों के अनुसरण में पंचायतीराज संस्थाओ के अध्यक्षीय एवं उपाध्यक्षीय पदों के निर्वाचन की प्रक्रिया सुचारू से संपन्न करने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने जिला परिषद सभागार में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला प्रमुख जिला प्रमुख पदों के निर्वाचन की प्रक्रिया को विधि सम्मत, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई है।



अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षीय पद हेतु निर्वाचित सदस्यों में से प्रत्येक अभ्यर्थी निर्धारित 4ख में संबंधित रिर्टिनिंग अधिकारी के समक्ष नाम निदेर्शन-पत्र प्रस्तुत करेगा। नाम निदेर्शन-पत्र पर अभ्यर्थी तथा जिला परिषद् के एक निर्वाचित सदस्य जो प्रस्तावक होगा, के हस्ताक्षर का होना आवश्यक होगा। नाम निदेर्शन-पत्र अभ्यर्थी अथवा उसके प्रस्तावक द्वारा निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर प्रस्तुत किया जा सकेगा। प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सदस्यों को अपना निर्वाचन प्रमाण-पत्र एवं आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लेकर आना होगा।

जिला प्रमुख एवं उप जिला प्रमुख निर्वाचन कार्यक्रम -

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने बताया कि पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 के चुनाव कार्यक्रम के अनुसार जिला परिषद् के प्रमुख एवं उप प्रमुख के निर्वाचन की प्रक्रिया 25.11.2026 एवं 26.11.2026 को पूर्वाह्न 10:00 बजे क्रमशः जिला परिषद् जयपुर के सभा-भवन में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला प्रमुख एवं उप जिला प्रमुख के चुनाव के लिए 25.11.2026 एवं 26.11.2026 क्रमशः पूर्वाह्न 10:00 बजे बैठक प्रारंभ होगी। पूर्वाह्न 11:00 बजे तक नाम निर्देशन-पत्रों का प्रस्तुतीकरण होगा।

पूर्वाह्न 11:30 बजे से नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा होगी। अपराह्न 01:00 बजे तक अभ्यर्थिता वापसी होगी। अपराह्न 01:00 बजे के तुरंत पश्चात् चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर चुनाव चिन्हों का आंवटन होगा। अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे के मध्य मतदान, यदि आवश्यक हुआ तो, होगा। एवं मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात् मतगणना एवं परिणाम की घोषणा होगी।

न्यूज इनबॉक्स

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी से राज्य सभा सांसद संजय भाटिया ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मंगलवार को यहां राजकीय निवास पर राज्य सभा सांसद संजय भाटिया ने शिष्टाचार भेंट की। देवनानी ने भाटिया का पुष्प गुच्छ और राजस्थान विधानसभा के लोगो की प्रतिकृति भेंट कर और दुपट्टा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। देवनानी ने भाटिया को अपनी पुस्तक सनातन संस्कृति में अटल दृष्टि भेंट की। दोनों की विभिन्न समसामयिक विषय, गतिविधियों तथा सार्वजनिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

गुरबाणी धर्म और अध्यात्म परंपरा की अनुपम दृष्टि- राज्यपाल

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे गुरुनानक जयंती, प्रकाश पर्व पर जयपुर स्थित गुरुद्वारे में आयोजित विशेष शबद कीर्तन समागम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका और गुरबाणी सुनते हुए इसे भारतीय धर्म और अध्यात्म परंपरा की अनुपम दृष्टि बताया। बागडे ने गुरु नानक की शिक्षाओं का स्मरण करते हुए अपने 'किरत करो, नाम जपो, वंड छको' के सिद्धांतों का अधिकाधिक प्रसार करने का आह्वान किया।

प्रवासी राजस्थानी दिवस 2026 में राजस्थान के टूरिज्म विजन 2047 पर रहेगा फोकस

PRAVASI RAJASTHANI DIVAS

जयपुर (कासं)। प्रवासी राजस्थानी दिवस 2026 में राजस्थान को वर्ष 2047 तक दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करने के विजन पर विशेष चर्चा होगी। 10 दिसंबर को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (छुश्वष्टष्ट) में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के छह सेक्टरल सेशन में से एक टूरिज्म पर होगा। इस सेशन की थीम 'राजस्थानञ्च2047: हेरिटेज, इनोवेशन एंड ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज' रखी गई है। इसमें टूरिज्म इंडस्ट्री से जुड़े विशेषज्ञ और अन्य स्टेकहोल्डर्स राजस्थान में पर्यटन की संभावनाओं, निवेश और नए अवसरों पर विचार-विमर्श करेंगे।

राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक किले-महल, शेखावाटी की खूबसूरत हवेलियां, वन्यजीव, अलग-अलग तरह के प्राकृतिक स्थल और यहां के खास पर्यटन अनुभव राज्य को ग्लोबल टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने की बड़ी क्षमता रखते हैं। इस सत्र में हेरिटेज संरक्षण, पर्यटन के नए विकल्प विकसित करने, इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने, इनोवेशन और निवेश को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी।

सत्र में हेरिटेज, कल्चरल और एक्सपिरियंशियल टूरिज्म, वाइल्डलाइफ और एडवेंचर ट्यूरिज्म, इको-टूरिज्म, रूरल और स्पिरिचुअल टूरिज्म जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं पर चर्चा होगी। इसके साथ ही रूछुष्टश्च टूरिज्म,ृद्ध आधारित पर्यटन अनुभव, डेस्टिनेशन वेडिंग, मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म, सस्टेनेबल टूरिज्म, स्किल डेवलपमेंट तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषय भी चर्चा के केंद्र में रहेंगे।

इस दौरान राजस्थान की पर्यटन संभावनाओं और विजन 2047, राज्य की नीतिगत व्यवस्था, इन्वेस्टमेंट इनिसिएटिव्ज और विभिन्न प्रोजेक्ट की प्रगति पर भी विचार-विमर्श होगा। पर्यटन से जुड़े प्रतिनिधि और विशेषज्ञ नए पर्यटन सेवाओं, नए डेस्टिनेशन, निवेश के अवसरों तथा इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकताओं पर अपने सुझाव साझा करेंगे। सत्र का उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं, आवश्यक नीतिगत बदलावों और उनके क्रियान्वयन के लक्ष्यों की पहचान करना है।

राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में लगातार सकारात्मक वृद्धि दर्ज की जा रही है। जनवरी से अगस्त 2026 के बीच राज्य में पर्यटकों की संख्या में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8.50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य सरकार विभिन्न नीतिगत पहलों के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र को नई गति देने और निवेश के अनुकूल माहौल तैयार करने में जुटी है। इनमें राजस्थान होमस्टे (पेइंग गेस्ट हाउस) स्कीम 2026, राजस्थान फिल्म टूरिज्म प्रमोशन पॉलिसी, 2025, राजस्थान टूरिज्म यूनिट पॉलिसी 2024 और राजस्थान रूरल टूरिज्म स्कीम, 2022 शामिल हैं।

पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के भी सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। 18 नवंबर 2026 तक 17,641 करोड़ रुपये के निवेश वाले 453 रूश्वह्य धरातल पर उतर चुके हैं। इसके अलावा राजस्थान टूरिज्म यूनिट पॉलिसी, 2024 के तहत 29,927 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वाली 1,738 नई पर्यटन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं से राज्य में करीब 1 लाख नए कमरों की आवास सुविधा विकसित होने की उम्मीद है।

पर्यटन विभाग की सचिव श्रीमती शुचि त्यागी ने कहा, 'राजस्थान की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक पहचान पर्यटन के विकास का मजबूत आधार है। हमारा विजन इस विरासत को इनोवेशन, पर्यटन के नए अनुभवों और निवेश के अनुकूल माहौल के माध्यम से विश्वस्तरीय पर्यटन अनुभवों में बदलना है। वर्ष 2047 को ध्यान में रखते हुए हमारा फोकस राजस्थान को दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करने पर है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना है कि पर्यटन के विकास से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार, आजीविका और नए अवसर पैदा हों टूरिज्म सेक्टरल सेशन राजस्थान के पर्यटन विजन को ग्लोबल अनुभव, इंडस्ट्री के सुझावों और निवेश के अवसरों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच होगा।

इसमें राज्य में विविधतापूर्ण, प्रतिस्पर्धी और टूरिज्म इकोसिस्टम विकसित करने के लिए आवश्यक रणनीतियों पर भी चर्चा होगी। प्रवासी राजस्थानी दिवस-2026 का आयोजन देश और दुनिया में बसे राजस्थानियों के साथ राज्य के जुड़ाव को और मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस आयोजन में प्रवासी राजस्थानी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक और अन्य प्रमुख स्टेकहोल्डर्स एक मंच पर आएंगे और राजस्थान के विकास में अपनी भागीदारी और सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

डिजिटल वार्ड की अनूठी पहल

पार्षद नवीन भंडारी ने जनता की समस्याओं के समाधान को बनाया अपनी प्राथमिकता

जयपुर (कासं)। नगर निगम जयपुर के वार्ड संख्या 44 के पार्षद नवीन कुमार भंडारी ने चुनाव के समय वार्ड की जनता से सभी को साथ लेकर चलने और प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान करवाने का जो संकल्प लिया था, उसे धरातल पर उतारने की दिशा में उल्लेखनीय पहल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के विजन से प्रेरित होकर नवीन भंडारी ने अपने पूरे वार्ड को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की पहल की। इसके माध्यम से वार्डवासी घर बैठे अपनी समस्याएं दर्ज करवा सकते हैं और संबंधित समस्या के समाधान की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। इस डिजिटल व्यवस्था में अब तक प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में 100 प्रतिशत कार्यवाही किए जाने का दावा किया गया है। इससे आमजन और जनप्रतिनिधि के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ है। वहीं, पार्षद बनने के बाद बेहद कम समय में वार्ड में विकास कार्यों को भी गति दी गई है। सड़क एवं आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में लगभग 15 से 16 गलियों में नई सड़कों का निर्माण करवाया जा चुका है। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर हाईमास्ट लाइटें लगवाई गई हैं तथा सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सड़क और अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया विजन से प्रेरित पहल, आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में स्वीकृत विकास कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए नवीन भंडारी स्वयं कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता पर निगरानी रख रहे हैं। उनका प्रयास है कि स्वीकृत बजट का सदुपयोग हो और विकास का लाभ वार्ड के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे। नवीन भंडारी का मानना है कि पार्षद का दायित्व केवल विकास कार्य करवाना नहीं, बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनका समाधान सुनिश्चित करना भी है।

चम्बल नदी में 20 घड़ियाल हैचलिंग्स का पुनर्वास

पालीघाट में वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण की पहल, इस वर्ष 80 घड़ियालों की टैगिंग का लक्ष्य



जयपुर (कासं)। चम्बल नदी में घड़ियालों के संरक्षण एवं उनकी प्राकृतिक आबादी को मजबूत बनाने की दिशा में वन विभाग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य के पालीघाट में मंगलवार को 20 घड़ियाल हैचलिंग्स को रेडियो/वेरी हाई फ्रीक्वेंसी टैग लगाकर उनके प्राकृतिक आवास चम्बल नदी में छोड़ा गया। मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के.सी.ए. अरुण प्रसाद ने इन हैचलिंग्स को नदी में पुनर्स्थापित किया। इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव एवं क्षेत्र निदेशक, रणथम्भौर बाघ परियोजना शारदा प्रताप सिंह, उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक मानस सिंह सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव एवं क्षेत्र निदेशक रणथम्भौर बाघ परियोजना शारदा प्रताप सिंह ने बताया कि यह पहल घड़ियाल पारिस्थितिकी परियोजना के तहत की जा रही है। इस वर्ष कुल 80 घड़ियालों की टैगिंग कर उन्हें तीन चरणों में प्राकृतिक आवास में पुनर्स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके प्रथम चरण में मंगलवार को 20 हैचलिंग्स को चम्बल नदी में छोड़ा गया है। शेष हैचलिंग्स को फरवरी माह के अंत तक नदी में पुनर्स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रेडियो टेलीमेट्री तकनीक के माध्यम से छोड़े गए घड़ियालों के विचरण क्षेत्र, गतिविधियों, व्यवहार, प्राकृतिक आवास में अनुकूलन एवं उत्तरजीविता का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाएगा। इससे घड़ियालों के जीवन-चक्र और चम्बल नदी की पारिस्थितिकी को समझने में मदद मिलेगी। साथ ही भविष्य में इनके संरक्षण के लिए अधिक प्रभावी एवं वैज्ञानिक कार्ययोजना तैयार की जा सकेगी।

उप वन संरक्षक मानस सिंह ने बताया कि नवजात घड़ियालों को शुरुआती अवस्था में तेज जल प्रवाह, बाढ़, जंगली जानवरों एवं मछली पकड़ने के जाल जैसी चुनौतियों से सुरक्षित रखने के लिए पालीघाट स्थित रेयरिंग सेंटर में वैज्ञानिक पद्धति से उनका पालन-पोषण किया गया। हैचलिंग्स को अलग-अलग सुरक्षित केबिन में रखा गया तथा उनके प्राकृतिक व्यवहार को बनाए रखने के लिए भोजन में जीवित मछलियां दी गईं। उन्होंने बताया कि पर्याप्त विकास होने और 75 सेंटीमीटर से अधिक लंबाई प्राप्त करने के बाद इन हैचलिंग्स को प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा रहा है, जिससे उनके जीवित रहने एवं प्राकृतिक वातावरण में अनुकूलन की संभावनाएं बेहतर हो सकें।

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना के तहत पालीघाट स्थित घड़ियाल रेयरिंग सेंटर को आधुनिक सुविधाओं से विकसित किया जा रहा है।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ही फिर बनेगी भाजपा सरकार- मीणा

जयपुर (कासं)। राजस्थान में पंचायत चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर उठे सवालों के बीच मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों ने भी जोर पकड़ लिया है। इसकी शुरूआत कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के एक बयान से हुई। उन्होंने हरियाणा में मुख्यमंत्री बदलने के बाद भाजपा की चुनावी जीत का उदाहरण दिया तो राजस्थान में भी नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएं शुरू हो गईं। अब बयान पर विवाद बढ़ने के बाद किरोड़ी लाल ने सफाई देते हुए साफ किया है कि अगला विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। कृषि मंत्री ने अपने स्पष्टीकरण में कहा कि राजस्थान में भजनलाल शर्मा की सरकार अच्छा काम कर रही है और उनके नेतृत्व में ही भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सरकार बनाएगी। उनके इस बयान को मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, पंचायत चुनावों में भाजपा को मिले झटके के बाद कांग्रेस ने इन नतीजों को 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले लिटमस टेस्ट बताया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए किरोड़ी लाल मीणा ने हरियाणा का उदाहरण दिया था। उन्होंने कहा था कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनाने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद पार्टी विधानसभा चुनाव में फिर से जीत हासिल करने में सफल रही। किरोड़ी के इस बयान के बाद राजस्थान में भी मुख्यमंत्री बदलने की संभावना को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गईं। उनके बयान को पंचायत चुनावों में हार के बाद भाजपा के नेतृत्व और सरकार की कार्यशैली पर सवाल के रूप में भी देखा गया।

400 करोड़ के ई-स्क्रिप्स घोटाले में बड़ा खुलासा

80 करोड़ की चोरी की स्क्रिप्स अपने खाते में लेने वाला आरोपी गुजरात से गिरफ्तार, 9 माह से चल रहा था फरार

जयपुर (कासं)। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश एवं अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रथम) डॉ. रामेश्वर सिंह के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त (अपराध) योगेश गोयल के नियंत्रण में साइबर थाना पुलिस ने 400 करोड़ रुपये की फर्जी डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट आधारित ई-स्क्रिप्स चोरी से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी ज्ञान रंजन स्वैन (38) को गुजरात से गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रथम) डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान ज्ञान रंजन स्वैन (38) पुत्र जयराम स्वैन निवासी डी-176, प्रथम तल, दिल्ली कॉन्वेंट स्कूल के पास, गणेश नगर, पांडव कॉम्प्लेक्स, ईस्ट दिल्ली - स्थायी निवासी ग्राम ओलंगर, तहसील काकटपुर, जिला पुरी, ओडिशा के रूप में हुई है। आरोपी पिछले करीब 9 माह से फरार चल रहा था। आरोपी के ICE-GATE अकाउंट से अब तक करीब 80 करोड़ रुपये की ई-स्क्रिप्स ट्रांसफर की गई तथा मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर इन स्क्रिप्स को रुपयों में कन्वर्ट किया गया।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) गोयल ने बताया कि साइबर थाना जयपुर में दर्ज प्रकरण संख्या 71/2026 में थानाधिकारी हेमराम एवं पुलिस निरीक्षक श्रवण कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर आरोपी के ICEGATE अकाउंट और बैंक खातों



से संबंधित जानकारी प्राप्त कर गहन विश्लेषण किया गया।

तकनीकी अनुसंधान और डिजिटल साक्ष्यों में आरोपी की भूमिका सामने आने पर तलाश शुरू की और गुजरात से गिरफ्तारी करने में सफलता हासिल की।

इस तरह दिया वारदात को अंजाम

पुलिस उपायुक्त गोयल ने बताया कि इस मामले में ई-स्क्रिप्स (RoDTAP/ सरकार द्वारा निर्यातकों को निर्यात के बदले दिए जाने वाले रिवार्ड) की चोरी की गई।

आरोपियों द्वारा DGFT अकाउंट में अनधिकृत प्रवेश, फर्जी डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट, म्यूल करंट अकाउंट एवं म्यूल IEC का उपयोग कर एक ङ्बEC (Importer-E&porter Code) से दूसरे IEC में ई-स्क्रिप्स ट्रांसफर की गई।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ज्ञान रंजन स्वैन मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर चोरी की गई ई-स्क्रिप्स अपने ङ्कष्टश्वद्मद्गह्लश्च अकाउंट में प्राप्त करता था। इसके बाद इन स्क्रिप्स को इम्पोर्टर्स को बेचकर प्राप्त रकम मुख्य आरोपियों के साथ आपस में बांट लेता था। आरोपी के अकाउंट से करीब 80 करोड़ रुपये की ई-स्क्रिप्स ट्रांसफर होने की जानकारी भी सामने आई है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक ओम प्रकाश (साइबर कमांडो) और कांस्टेबल शिव कुमार की विशेष भूमिका रही।

अब तक 12 आरोपी गिरफ्तार

उल्लेखनीय है कि प्रकरण में अब तक गिरफ्तार आरोपियों में सुल्तान खान, नंद किशोर, निर्मल सोनी, अशोक कुमार भंडारी, प्रमोद खत्री, राहुल झा, यशवंत गर्ग, नदीम खान, सतपाल तुंगरिया, हनीश खान एवं अजय पंवार शामिल हैं। इनके अतिरिक्त अब ज्ञान रंजन स्वैन को गिरफ्तार किया गया है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
फोनः 0141-4038281, Email:- lokjeewanjpr@gmail.com भीलवाड़ा कार्यालयः 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। फोनः 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, मो. 8306792625